केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 279 सोमवार 4 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

युवक की गला रेतकर हत्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के करचोलिया गांव स्थित समय माता मंदिर के पास रविवार को एक अज्ञात युवक का शव मिला। युवक की गला रेतकर हत्या की गई थी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह स्थानीय लोगों ने मंदिर के पास शव पड़ा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है। मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। उसने टी–शर्ट और हाफ लोअर पहन रखा था।

घटनास्थल के पास से नमकीन का एक पैकेट भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने साक्ष्य के तौर पर जांच में शामिल किया है। लगातार हो रही बारिश के कारण शव की पहचान करने में कठिनाई आ रही है। पुलिस आसपास के गांवों में मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

बारिश से गर्मी में मिली राहत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह करीब 8:30 बजे आसमान में घने काले बादल छा गए और दिन में ही अंधेरा हो गया। इसके बाद तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश शुरू हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

पिछले कई दिनों से जिले का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ था, जिससे लोग भीषण गर्मी से बेहाल थे। रविवार को हुई इस बारिश के कारण तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई। पारा लुढ़ककर 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम के अचानक बदलने से लोग हैरान रह गए। कई लोग घरों से बाहर निकलने की तैयारी में थे, लेकिन तेज बारिश के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। सड़कों पर भी कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हुआ। तेज बारिश और ठंडी हवाओं से वातावरण में ठंडक बढ़ गई, जिससे लोगों ने हल्की ठंडक महसूस की। बच्चों और युवाओं ने इस सुहावने मौसम का आनंद लिया। किसानों के लिए भी यह बारिश राहत भरी मानी जा रही है।

घर में घुसकर लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दयालपुर गांव में एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने बाउंड्री गेट तोड़कर लगभग 15 लाख रुपये के जेवरात, नकदी और घरेलू सामान चोरी कर लिया। यह घटना नगर थाना क्षेत्र में हुई।

दयालपुर निवासी सच्चिदानन्द पाण्डेय ने नगर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह 12 अप्रैल 2026 को अपने परिवार के साथ नोएडा/दिल्ली गए थे। घर पर कोई सदस्य मौजूद नहीं था और मकान की देखरेख की जिम्मेदारी गांव के छोटेलाल गुप्ता को सौंपी गई थी।

ईरान के 14 सूत्रीय प्रस्ताव पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

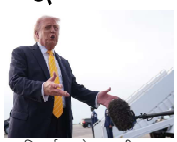

वाशिंगटन (आभा)। ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अभी उसने अपने पुराने कामों का हिसाब नहीं चुकता किया है। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके ट्रंप ने कहा, जल्द ही मैं ईरान के प्रस्ताव की समीक्षा करूंगा। हालांकि मुझे लगता है कि यह स्वीकार करने योग्य नहीं है। उन्होंने मानवता के साथ जो कुछ किया है उसका पूरा खामियाजा अभी नहीं भुगता है।

तासनिम न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान ने 14 सूत्रीय प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप को भेजा है। इसमें लेबनान के साथ तनाव का भी जिक्र किया गया है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि समझौता स्थायी होना चाहिए, कोई भी अस्थायी समझौता मान्य नहीं होगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका आश्वासन दे की ईरान पर फिर कभी हमला नहीं हगा। इसके अलावा ईरान के आसपास के इलाकों से अमेरिका अपनी फौज वापस बुला ले। ईरान ने कहा है कि अमेरिका को समझौते के लिए नाकेबंदी भी खत्म करनी होगी।

ईरान ने ट्रंप को भेजे प्रस्ताव में कहा कि उसकी सेना पर कोई दबावव ना बनाया जाए और जिन उपकरणों पर पाबंदी लगाई गई है , उन्हें हटा ली जाए। इसके अलावा इसमें होर्मुज को लेकर एक स्थायी व्यवस्था बनाने का भी प्रस्ताव है।

कड़ी सुरक्षा के बीच 19 केन्द्रों पर नीट परीक्षा सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 6453 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 6322 शामिल हुए और 131 अनुपस्थित रहे।

जनपद के 19 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच यह परीक्षा आयोजित की गई। सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भीड़ देखी गई। प्रवेश से पहले सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई, जिसके बाद ही उन्हें केंद्रों के भीतर जाने की अनुमति दी गई।

प्रशासन ने निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए थे। इनमें सीसीटीवी निगरानी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती शामिल थी।

परीक्षा के लिए बनाए गए प्रमुख केंद्रों में देशराज नारंग इंटर कॉलेज वाल्टरगंज, शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज, इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज मुंडेरवा, श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज, खैर इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज और एपीएन पीजी कॉलेज जैसे संस्थान शामिल रहे।

परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भीड़ अपने बच्चों के बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रार्थना करती दिखी। वहीं, कई परीक्षार्थियों ने बताया कि प्रश्न पत्र संतुलित था, हालांकि कुछ प्रश्नों ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में विद्युत उप केन्द्र पर प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी कस्बे में रविवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर इमरान लतीफ, प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल चौधरी, जिला अध्यक्ष संतोष पांडेय समेत अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मिलकर बांसी स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र से रोडवेज तक धरना–प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीब जनता का शोषण किया जा रहा है और बढ़े हुए बिजली बिल से आम आदमी परेशान है। उन्होंने सरकार से स्मार्ट मीटर योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी भी की।

टेम्पो चोरी गिरोह का पर्दाफाश: 4 गिरफ्तार, 3 चोरी के टेम्पो बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद पुलिस ने टेम्पो चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना नगर पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई में चार चोरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चोरी के तीन टेम्पो बरामद किए। यह गिरफ्तारी रविवार तड़के बेलाड़ी से मरवटिया जाने वाले तिराहे के पास हुई।

पुलिस के अनुसार, 20 अप्रैल 2026 को थाना नगर क्षेत्र के संसारपुर फुटहिया से टेम्पो चोरी की घटना दर्ज की गई थी। जांच के दौरान थाना मुंडेरवा में दर्ज एक अन्य चोरी के मुकदमे से भी इस गिरोह के तार जुड़े मिले। सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर जितेंद्र गोंड, रवि, फारुख और शिवपुजन नामक चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से तीन चोरी के टेम्पो (UP51AT6566] UP51BT5349] UP51AT8673) बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे रात के समय सुनसान जगहों से टेम्पो चोरी करते थे, उन्हें धक्का देकर स्टार्ट करते थे और बाद में बेचने की फिराक में रहते थे। ये टेम्पो फुटहिया चौराहा, सिसवा माफी और सिटी हॉस्पिटल दक्षिण दरवाजा से चुराए गए थे।

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी जितेंद्र गोंड पर विभिन्न थानों में कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अन्य अभियुक्तों का भी आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर संबंधित थानाओं में वृद्धि कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि थाना नगर पुलिस और एसओजी टीम को इसमें बड़ी सफलता मिली है। श्याम कांत ने आगे कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त पेशेवर अपराधी हैं और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना नगर प्रभारी भानु प्रताप सिंह, एसओजी प्रभारी विकास यादव और पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधानसभा युवा संसद में चमके सिद्धार्थनगर के छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सिद्धार्थनगर। विधानसभा में आयोजित युवा संसद कार्यक्रम के अंतर्गत 1 फरवरी 2026 के बजट पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए मेधावी और ओजस्वी वक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ना और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा।

इस अवसर पर आईसीएसई बोर्ड के दसवीं कक्षा के टॉपर, 97 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले ग्राम बेनीपुर, जिला सिद्धार्थनगर निवासी छात्र आर वीर पांडे को आमंत्रित सदस्य के रूप में सहभागिता का अवसर मिला। वे प्रधान संगठन के बस्ती मंडल अध्यक्ष व्यास पाण्डेय के पुत्र हैं। आर वीर पाण्डेय ने बजट से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का संचालन विधानसभा सदन के भीतर नीरज बोरा जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान युवाओं ने शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और विकास जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा की और अपनी बात मजबूती से रखी।

कार्यक्रम के समापन पर नीरज बोरा जी ने सभी प्रतिभागी मेधावी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को आगे बढ़ने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

स्मार्ट मीटर में बेइमानी हो सकती है तो ईवीएम में क्यों नहीं– अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। रविवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर जोरदार हमला बोला। पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार को देश के करोड़ों मोबाइल फोन पर आए अलर्ट का जिक्र करते हुए कहा, देखिए टेक्नोलॉजी कितनी स्मार्ट हो गई है। आपका मोबाइल फोन स्विच ऑफ है, उसके बाद भी मोबाइल पर अलर्ट आएगा। यह सोचो किस बात की तैयारी है? यह आपके अंदर डर बैठाना चाहते हैं। भाजपा लोगों में डर पैदा करके चुनाव लड़ती है। अगले साल यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, सपा सरकार बनी तो केजी से लेकर पीजी तक पढ़ाई की व्यवस्था कराई जाएगी। सीएम योगी द्वारा सपा को माफियाओं की पार्टी बताए जाने पर अखिलेश यादव ने कहा, आइना देखें खुद अपना माफिया दिख जाएगा। कहा कि यदि स्मार्ट मीटर मे बेईमानी हो सकती है तो ईवीएम में क्यों नहीं।

अखिलेश यादव ने सपा विधायक प्रभु नारायण की आशंका का जिक्र करते हुए कहा कि वह प्रदेश की जनता को सावधान करना चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ लोग कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर झगड़ा कराएंगे। उन्होंने कहा कि विधायक प्रभु नारायण का कहना है कि चुनाव के दौरान भाजपा के लोग गांव–गांव में खूब डीजे बजवाएंगे जिससे नफरत फैले और झगड़ा हो। सपा प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के लोग बड़े पैमाने पर जगह–जगह डीजे बजवाकर झगड़ा करवाने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन सपा ने जनता को पहले ही सावधान कर दिया है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि यह पार्टी 'झूठ की सोन पापड़ी' बनाती है और वह झूठ की एक परत के ऊपर असत्य की दूसरी परत चढ़ा देती है।

सपा प्रमुख ने कामशियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपए की भारी बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि सभी लोग महसूस कर रहे थे कि जैसे ही पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव का मतदान खत्म होगा, उसके फौरन बाद महंगाई बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, डीजल पेट्रोल और गैस की महंगाई से बड़े पैमाने पर हर चीज की महंगाई बढ़ना शुरू हो जाती है। जब परिवहन की लागत बढ़ेगी तो हर चीज महंगी हो जाएगी।

स्मार्ट मीटर पर फूटा आम आदमी पार्टी का गुस्साः राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर आम आदमी पार्टी ने जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने जिला विद्युत उपकेन्द्र पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए स्मार्ट मीटर के खिलाफ आक्रोश दर्ज कराया। मालवीय रोड स्थित अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को 4 सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया।

राज्यपाल को भेजे 4 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही खुली लूट को तत्काल प्रभाव से रोका जाय, स्मार्ट मीटर योजना की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए. दोषी अधिकारियों एवं संबंधित कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाय और आम उपभोक्ताओं एवं किसानों को राहत प्रदान करने हेतु पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू की जाए।

ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता के साथ व्यापक स्तर पर आर्थिक शोषण किया जा रहा है। प्रदेश के लाखों उपभोक्ता मनमाने बिजली बिल, गलत रीडिंग, अत्यधिक दरों और तकनीकी खामियों के कारण परेशान हैं, जिससे जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय।

पार्टी के जिला प्रभारी कुलदीप जायसवाल ने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में एक ओर जहां बिजली कटौती से लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर प्रीपेड स्मार्ट मीटर की खामियों ने आम नागरिकों की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। यह स्थिति सीधे तौर पर जनता के जीवन स्तर, दैनिक आवश्यकताओं और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रही है। सरकार इस दिशा में तत्काल प्रभावी कदम उठाकर समस्याओं का निस्तारण करे।

प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर की प्रतिकात्मक तस्वीरें जलाकर विरोध दर्ज कराया और राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से 'आप' ने मांग की है कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तत्काल रोका जाए, इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और कंपनियों पर कार्रवाई की जाए तथा उपभोक्ताओं और किसानों को राहत देने के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए।

ज्ञापन सौपने के दौरान जिला महासचिव चन्द्रभान कन्नौजिया, राम सजन सूर्यवंशी, आशीष जायसवाल, मिथलेश भारती आदि शामिल रहे।

–स्मार्ट मीटर योजना को वापस ले सरकार–डॉ. राम सुभाष वर्मा

बस्ती के 161वें स्थापना दिवस पर आयोजन 5 सेः महापुरूषों के प्रतिमाओं की साफ सफाई कर किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। वशिष्ठ महोत्सव आयोजन समिति ने रविवार को महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ सफाई कर नमन किया। राना दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में अनेक सामाजिक कार्यकताओं ने लाल बहादुर शास्त्री, महाराणा प्रताप, सुभाष चन्द्र बोस, पंडित जवाहर लाल नेहरू, बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर, सरदार भगत सिंह, लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह, युग पुरुष स्वामी विवेकानन्द, संत कबीर, संत गाडगे, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिव हर्ष उपाध्याय की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया।

कार्यकताओं ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाए। प्रातः 06 बजे से 10 बजे तक चले इस अभियान को भारी वर्षा भी प्रभावित नहीं कर पाई।

इस अवसर पर वशिष्ठ महोत्सव के कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि महापुरुषों के प्रति सम्मान प्रकट करना हमारा धर्म है। उन्होंने बताया कि बस्ती जनपद के 161वें स्थापना दिवस पर दिनांक 05, 06 एवं 07 मई को आयोजित वशिष्ठ महोत्सव के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। कहा कि अमर बलिदानी सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती परिसर में खेल, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक संध्या के बीच वशिष्ठ महोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने जनपद वासियों से इस समारोह में सम्मिलित होने की अपील किया है। इस अवसर पर चंद्र मणि मिश्र रणजीत सिंह, राजेश त्रिपाठी ,विजय श्रीवास्तव, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, आशीष सिंह, दिलीप शर्मा,जितेंद्र सिंह गुड्डू अखिलेश गुप्ता, संजय पाण्डेय , श्रुति अग्रहरि, शिवन गुप्ता, विवेक सिंह, रोहित यादव, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

–सांस्कृतिक संध्या के बीच मनाया जाएगा वशिष्ठ महोत्सव –राना दिनेश प्रताप सिंह

महिला अस्पताल पहुंचते ही मरीजों को घेर लेते हैं दलालः मौन हैं जिम्मेदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । जिला महिला अस्पताल के सामने की गली में मरीज माफिया का नेटवर्क लगातार सक्रिय है। अवैध अल्ट्रासाउंड और पैथोलॉजी सेंटरों के संचालन का मामला सामने आने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे मरीजों की जेब पर डाका डालने वाले इस गिरोह का आतंक जारी है।

महिला अस्पताल की गली में छोटे–छोटे कमरों में बिना रजिस्ट्रेशन के जांच केंद्र चलाए जा रहे हैं। जांच के दौरान एक निजी अस्पताल का लेटर पैड भी मिला था, जिसने कमीशनखोरी और फर्जी रेफरल के संगठित खेल को उजागर किया था। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन मौके पर स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, अस्पताल आने वाले मरीजों को दलाल घेर लेते हैं और उन्हें बहला–फुसलाकर इन अवैध केंद्रों तक ले जाते हैं। वहां उनसे अनावश्यक जांचें कराकर मोटी रकम वसूली जाती है। ग्रामीण और गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले मरीज, जिन्हें सही–गलत की जानकारी नहीं होती, इस धोखाधड़ी का सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं।मामला जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना के संज्ञान में आने पर उन्होंने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। हालांकि, अब तक किसी बड़े स्तर की कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। संबंधित विभाग भी केवल औपचारिक बयान जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी करते दिख रहे हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 मई 2026 सोमवार

सम्पादकीय

चुनाव के बाद बढी मंहगाई

पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि शुक्रवार को खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई।

चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है। कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे–सीधे इसका असर खाने–पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े।

फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। इसी तरह, अब यह कहना मुश्किल है कि विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्यों में वृद्धि केवल यहीं तक रुक जाएगी। अभी से आम उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जाने लगी है।

जाहिर है, एक ऐसा दौर शुरू हो चुका है, जिसमें महंगाई का दुश्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। खासतौर पर डीजल की कीमतों में इजाफे के बाद ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और इसके बाद चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वैश्विक स्तर पर पसरी अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हाल के दिनों में जो सुस्ती देखी जा रही है, बाजार भी तेज उतार–चढ़ाव से गुजर रहा है, उसमें एक बड़ी आबादी रोजी–रोजगार के सवालों से जूझ रही है। लगातार घटती क्रयशक्ति के दौर में महंगाई की मार का असर कितना गहरा हो सकता है, इसका बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सवाल है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से उपजे संकट के बावजूद सरकार ने करीब दो महीने तक तेल और गैस की कीमतों को कमोबेश थाम कर रखा था और इनकी उपलब्धता के वैकल्पिक रास्ते निकाल रही थी, तो अचानक ही उसे महंगाई को इस तरह खुला छोड़ देने की जरूरत क्यों पड़ी! क्या कुछ दिनों की राहत का कारण पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव थे?

नागरिक सुरक्षा के प्रश्न

मध्य प्रदेश में जबलपुर के बरगी बांध में एक क्रूज नाव के पलटने से हुए हादसे की त्रासदी ने एक बार फिर नागरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे ने नाव पर सवार होकर रोमांच महसूस करने के कई लोगों के उत्साह को मातम में बदल दिया। हैरानी इस बात की है कि दुर्घटना के बाद प्रशासन के पास नाव में सवार कुल लोगों की सटीक जानकारी तक नहीं थी। अधिकारियों ने टिकटों की संख्या के आधार पर आंकड़ा जारी कर दिया, जबकि कई लोगों के साथ उनके बच्चे भी नाव पर सवार थे।

सवाल है कि नौकाओं के संचालकों के लिए क्या यह नियम जरूरी नहीं होना चाहिए कि टिकट लेने वाले लोगों के साथ उनके बच्चों की संख्या भी दर्ज की जाए, ताकि आपात स्थिति में सुरक्षा बंदोबस्त में कोई कमी न रहे? दूसरी ओर ऐसी खबरें भी आई हैं कि दुर्घटना की शिकार हुई नौका पर पहले से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और न ही स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान की कोई व्यवस्था थी। ऐसे में इसे व्यवस्थागत लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा।

गौरतलब है कि बरगी बांध में एक क्रूज नौका तेज आंधी की चपेट में आकर पलट गई थी। इस दुर्घटना में अब तक नौ लोगों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं। हादसे में जीवित बचे लोगों का दावा है कि नौका पर सवार किसी भी यात्री ने जीवन रक्षक जैकेट नहीं पहनी थी। जब आपात स्थिति महसूस हुई, तभी वे यात्रियों में वितरित करने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ लोगों को इन्हें पहनने का मौका ही नहीं मिला।

सवाल है कि जो नियम नौका चालकों को प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य रूप से सिखाए जाते हैं, अगर उन्हें ही नजरअंदाज कर दिया जाए, तो यह सीधे तौर पर लापरवाही को उजागर करता है। यही नहीं, जल पर्यटन के इस क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान की व्यवस्था न होना भी सवाल खड़े करती है। राज्य सरकार ने हादसे के बाद क्रूज नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन क्या सिर्फ इस कदम से ऐसी दुर्घटनाओं पर पूरी तरह रोक पाएगी। ऐसे में सभी राज्यों को चाहिए कि इस हादसे से सबक लेकर तमाम व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए।

जलवायु परिवर्तन का बढता खतरा और प्रकृति

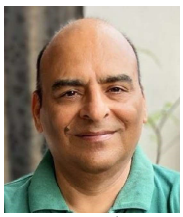

–पंकज चतुर्वेदी–

भारत में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन एक गहरी पारिस्थितिकीय समस्या को उजागर करते हैं, जो मानव–निर्मित हैं। विकास योजनाओं और पर्यावरणीय लापरवाही ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव–निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला–जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हजारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

इस मानव–निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी–पटरी वाले और गिग–इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोडती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव–पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल–प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति–निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म–जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाती थी।

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पर्यावरण का संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। तभी हम इस मानव–निर्मित भट्ठी से बाहर निकल पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी धरती दे पाएंगे जो केवल झुलसती नहीं, बल्कि जीवन भी प्रदान करती है।

लोकतंत्र की सांस है आजाद मीडिया

–बाबूलाल नागा–

इस वर्ष विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की पुष्टि करने और पत्रकारिता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित प्रौद्योगिकी तथा मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को भविष्य के लिए सूचना व्ध्यवस्ध्था मजबूत करने के व्यावहारिक तरीकों के लिए एकजुट करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1993 में यूनेस्को के 1991 में 26वें महासभा सम्मेलन में अपनाई गई एक सिफारिश के बाद की गई थी। यह अवसर प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों को मान्ध्यता देने और विश्व स्तर पर प्रेस की स्वतंत्रता का मूल्यांकन करने का है। यह दिन प्रेस की स्वतंत्रता और स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण है। यह सरकारों को प्रेस की स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता का सम्मान करने की याद दिलाता है और मीडिया पेशेवरों के लिए प्रेस की स्वतंत्रता और पेशेवर नैतिकता के मुद्दों पर चिंतन करने का भी दिन है।

हर वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को मजबूत करने का अवसर है। किसी भी देश में प्रेस की स्वतंत्रता इस बात का प्रमाण होती है कि वहां अभिव्यक्ति की कितनी आजादी है। जहां मीडिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक होता है, वहां जनता जागरूक रहती है, सरकार जवाबदेह रहती है और लोकतंत्र मजबूत होता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1993 में की थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को रेखांकित करना, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्वतंत्र पत्रकारिता के प्रति जनचेतना बढ़ाना था। आज जब सूचना का युग अपने चरम पर है, तब यह दिवस और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ–साथ प्रेस जनता और सत्ता के बीच सेतु का काम करता है। मीडिया सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यप्रणाली पर नजर रखता है तथा जनता की समस्याओं को सामने लाता है। यही कारण है कि स्वतंत्र मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य है।

लेकिन आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि सच सामने लाने वाले पत्रकार खुद असुरक्षित होते जा रहे हैं। दुनिया भर में पत्रकारों को धमकियां दी जाती हैं, उन पर हमले होते हैं, झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं और कई बार उनकी हत्या तक कर दी जाती है। भारत में भी ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कई पत्रकार भ्रष्टाचार, अपराध और सत्ता के दुरुपयोग का पर्दाफाश करते हुए अपनी जान गंवा चुके हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

पत्रकार जब किसी घोटाले, अन्याय, अपराध या जनविरोधी नीति का खुलासा करते हैं, तब वे केवल खबर नहीं देते, बल्कि समाज को सच से परिचित कराते हैं। उनका कार्य जनता के अधिकारों की रक्षा करना है। यदि पत्रकारों को डराकर चुप करा दिया जाएगा, तो समाज तक सच कैसे पहुंचेगा? इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा केवल पत्रकारों का मुद्दा नहीं, बल्कि जनता के जानने के अधिकार का मुद्दा है।

आज कई बार देखा जाता है कि सरकारों की आलोचना करने वाले मीडिया संस्थानों पर छापेमारी होती है, जांच एजेंसियों का दबाव बनाया जाता है, विज्ञापनों के जरिए आर्थिक दबाव डाला जाता है और विरोधी स्वरों को कमजोर करने की कोशिश की जाती है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए घातक है। सत्ता को आलोचना सहने की क्षमता रखनी चाहिए, क्योंकि आलोचना ही लोकतंत्र को स्वस्थ बनाती है।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का अनुच्छेद 19 भी विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मूल अधिकार मानता है। ऐसे में प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला सीधे–सीधे नागरिक अधिकारों पर हमला है। यदि मीडिया स्वतंत्र नहीं रहेगा तो जनता तक सही सूचना नहीं पहुंचेगी और भ्रम, डर तथा प्रचार का माहौल बनेगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि प्रेस को केवल "लोकतंत्र का चौथा स्तंभ" कह देने से काम नहीं चलेगा। पत्रकारों को कानूनी सुरक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और निष्पक्ष संस्थागत संरक्षण देना होगा। पत्रकार सुरक्षा कानून बनाया जाना चाहिए, ताकि संवेदनशील क्षेत्रों में काम करने वाले पत्रकार निर्भय होकर अपना कर्तव्य निभा सकें।

साथ ही मीडिया को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य, निष्पक्षता और जनहित है। यदि मीडिया स्वयं पक्षपात, सनसनी और कॉर्पोरेट दबाव में काम करेगा, तो उसकी विश्वसनीयता कमजोर होगी। इसलिए मीडिया संस्थानों को भी आत्मनियंत्रण, नैतिकता और तथ्यपरकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

आज सोशल मीडिया और फेक न्यूज के दौर में स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। झूठी सूचनाओं और अफवाहों के बीच वही मीडिया समाज को सही दिशा दे सकता है, जो तथ्यों पर आधारित हो और निर्भीक होकर सच कह सके। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर हमें उन साहसी पत्रकारों को नमन करना चाहिए जिन्होंने सच की राह में अपना जीवन तक बलिदान कर दिया। साथ ही यह संकल्प लेना चाहिए कि प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे और लोकतंत्र की इस अमूल्य ताकत को कमजोर नहीं होने देंगे।

क्योंकि जब मीडिया स्वतंत्र होता है, तब जनता मजबूत होती हैय जब जनता मजबूत होती है, तब लोकतंत्र सुरक्षित रहता है। इसलिए आज के समय में सबसे बड़ी जरूरत हैकृ आजाद, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया।

पश्चिम बंगाल के जनादेश पर टिकी निगाहें

–मनोज सिंह–

15 साल पहले बंगाल की यह वही जानता है जिसने 84: वोटिंग करके ममता बनर्जी को बंगाल की कुर्सी सौंपा था लेकिन एक पंचवर्षीय अवधि पूरा होते–होते वहां की जनता को महसूस होने लगा कि बंगाल की सत्ता विकास से ज्यादा उन विषयों पर ध्यान देने लगी जिससे पुनः सत्ता में बन रहे यही कारण है कि पहले कार्यकाल में ही बहुत से बांग्लादेशी पश्चिम बंगाल में शरण लेने लगे और उनको वहां का प्रशासन रोकने में शक्ति नहीं दिखा पा रहा था क्योंकि सत्ता के शीर्ष में बैठी ममता बनर्जी आंतरिक रूप से बांग्लादेशी शरणार्थियों के प्रति नरम दुख अपनायें हुए थी ताकि वह चुनाव में अवैध–बांग्लादेशी घुसपैठियों के सहारे प्रजातंत्र का चीर हरण करके सत्ता के सिंहासन तक पुनः काबिज हो सके और वह उसमें वह सफल भी हो गई यही कारण है कि ममता बनर्जी के दूसरे कार्यकाल में शरणार्थी घुसपैठियों को सत्ता का संरक्षण मिलने लगा और उनकी संख्या वहां पर बढ़ने लगी वहीं बंगाल की प्रबुद्ध जनता अपने को उपेक्षित और ठगा महसूस करने लगी और चुनाव के समय वोटिंग में कम रुचि लेने लगी जिसके चलते दूसरे और तीसरे कार्यकाल में वोटिंग प्रतिशत घटने लगा

पश्चिम बंगाल के हालात पर 29 अक्टूबर 2014 को एक लेख रक्षा विशेषज्ञ प्रकाश सिंह जी ने लिखा थाष नरमी से बिगड़ते हालात ' उन्होंने आलेख के माध्यम से बताया था कि पश्चिम बंगाल में 2014 में 52 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जिस पर बांग्लादेशी तय करते हैं की विधायक कौन बनेगा 100 विधानसभा की सीटें ऐसी हैं जिसे बांग्लादेशी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने की स्थिति में है श्री सिंह के आलेख से ऐसा प्रतीत हो रहा था की घुसपैठियों के प्रति प्रदेश सरकार नरम रुक अपनायें हुए हैं अपने व्यक्तिगत सत्ता लाभ के लिए , क्षेत्रीय राजनीतिक दल जब सत्ता में बने रहने के लिए विकास की जगह प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने लगे तब वहां के लोगों को विवश होना पड़ता है सत्ता के खिलाफ वोट देने के लिए यही कारण है जब केंद्र सरकार ने एस आई आर के माध्यम से फर्जी वोटो का नाम बहुत बड़ी संख्या में पश्चिम बंगाल से हटाए गए और भारी संख्या में फोर्स के संरक्षण होने से वहां के वोटरों ने बड़ी संख्या में मतदान किया

इस बार प्रवासी पश्चिम बंगाल की जनता ने तथा उन लोगों ने भारी संख्या में मतदान किया जो पूर्व के मतदान में क्षेत्रीय गुन्डों के वर्चस्व के कारण वोट नहीं डाल पा रहे थे । वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल का चुनाव संपन्न हो चुका है 4 मई को दोपहर बाद तक सभी विधानसभाओं की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी

राजनीतिक समीक्षकों और चिंतन शील लोगों का अनुमान है की बढ़ा हुआ मत प्रतिशत 15 साल बाद पुनः पश्चिम बंगाल अपना राजनैतिक इतिहास दोहराने के लिए तैयार है लोगों का अनुमान है कि इस बार भाजपा को सत्ता में आने की बहुत संभावना है कुछ लोगों का या यूं कहें मेरा व्यक्तिगत अनुमान है कि भाजपा को 175 से 180 सीट के बीच मिलने के आसार है।

प्रोपेगंडा के रूप में सिनेमा

–मनीष तिवारी–

1920 के दशक में चलचित्रों के आगमन से लेकर आज के ओ.टी.टी. तक, गतिशील छवि पीढियों से एक विलक्षण स्थिरांक बनी हुई है और विस्तार से कहें तो, यह अब तक का सबसे शक्तिशाली जन–प्रभाव उपकरण है। एक सदी से अधिक समय से, जहां अन्य माध्यमों का उदय हुआ और वे पतन की ओर गए, वहीं सिनेमा का पर्दा परिवारों और युवाओं दोनों को अपने मोह में बांधे हुए है, एक सांझा अनुष्ठान जो मात्र पलायनवाद से परे है। पहली बार, एक विचार को, चाहे वह कितना भी राजनीतिक क्यों न हो, एक मानवीय चेहरा, एक उत्साहवर्धक संगीत और एक कथा चाप दिया जा सकता था, जो निर्देश नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव जैसा महसूस होता था। एक प्रचारक अब सहानुभूति को हथियार बना सकता था, एक मनगढ़ंत वास्तविकता को मूर्त रूप देने के लिए काल्पनिक पात्रों का निर्माण कर सकता था, जिससे एक अमूर्त विचारधारा एक सहज सच्चाई

की तरह महसूस हो।

जब अन्यत्र तकनीकी नवाचारों की खोज की जा रही थी, तब एडोल्फ हिटलर और उनके प्रोपेगंडा मंत्री जोसेफ गोएबल्स, उन पहले लोगों में से थे, जिन्होंने वास्तव में यह समझा कि फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राज्य के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र है। नाजी रीच मिनिस्ट्री फॉर पब्लिक एनलाइटेनमेंट एंड प्रोपेगंडा के भीतर एक समघ्पत फिल्म विभाग–रीच चौंबर ऑफ फिल्म, जिसे संक्षिप्त में आर.एफ.के. कहा जाता है, की स्थापना ने यह माना कि एक राष्ट्रवादी विचार, जिसे सिनेमा की भावनात्मक भव्यता में प्रस्तुत किया जाता है, वह तार्किक आलोचना को दरकिनार करके सीधे जनता की आत्मा में स्थापित हो सकता है।

नाजी मशीन से लडने वाले मित्र राष्ट्रों ने भी इस उपकरण की उपयोगिता को अपने लिए पहचाना। शीत युद्ध में जकड़े सोवियत और अमरीकियों ने इस तकनीक के लाभों को बस विभाजित कर लिया और सेल्युलाइड के माध्यम से एक द्विआधारी दुनिया का निर्माण किया। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे की सरल, भयावह छवियां बनाईं। अमरीकी सिनेमा में, कम्युनिस्ट घुसपैठ के डर को एक एलियन आक्रमण की कथा के रूप में छिपाया गया था, जबकि सोवियत फिल्मों ने समाजवादी सद्गुण के एक संकेतक के रूप में सामूहिक तकनीकी प्रगति का बखान किया। अमरीका में, संस्कृति और राज्य–कौशल के इस भाईचारे को एक औद्योगिक कला रूप में पूर्ण किया गया जिसे दुनिया हॉलीवुड के नाम से जानती है। अनगिनत ब्लॉकबस्टर्स के माध्यम से, अमरीकी मरीन कॉर्प्स का महिमामंडन किया गया, जिसने वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान में जटिल, बहु–कारक संघर्षों को साधारण नैतिकता नाटकों में बदल दिया है।

खुद को कुंवारी बता शादी रचा रही एक बच्चे की मां ने दूल्हे संग किया कांड, गैंग संग गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। पहले से शादीशुदा और एक बच्चे की मां बन चुकी महिला ने खुद को कुंवारी बताकर एक शख्स से शादी का स्वांग रचाया। महिला के साथ पूरा गैंग इसमें शामिल था। महिला ने अपने गैंग संग मिलकर शादी की रस्मों के दौरान ही दूल्हे संग कांड कर डाला। हालांकि सूचना मिलते ही पुलिस ऐक्टिव हुई और उसे पूरे गैंग संग गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ महराजगंज पुलिस शादी के नाम पर ठगी करने वाले लुटेरी दुल्हन गिरोह का पर्दाफाश करने में कामयाब रही। पुलिस ने चिउटहा बाजार के पास से गिरोह की चार महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 39 हजार 500 रुपये नकद, चांदी की पायल और मंगलसूत्र बरामद हुआ है। पुलिस कार्यालय के सभागार में एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने लुटेरी दुल्हन गैंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एटा के रहने वाले रंजीत चौहान ने सिंदुरिया थाने में तहरीर देकर बताया था कि जितेन्द्र नामक व्यक्ति और चार महिलाओं ने सुनियोजित तरीके से उनकी शादी अंजलिका से तय कराई थी। अंजलिका को अविवाहित बताया गया था, जबकि वह पहले से शादीशुदा और एक बच्चे की मां है। सिन्दुरिया के एक मंदिर में शादी की रस्मों के दौरान आरोपितों ने रंजीत से शादी के खर्च और जेवर के नाम पर करीब एक लाख रुपये और गहने ठग लिए।

रस्मों के बीच ही आरोपित मारपीट और गाली–गलौज कर भागने लगे। मुख्य आरोपित जितेन्द्र दुल्हन बनी अंजलिका को लेकर फरार हो गया था। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान रविवार को पुलिस टीम ने चिउटहा–सिन्दुरिया रोड से चार महिला आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों में लालती, सुमित्रा, काजल और अंजलिका शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह की लालती मुख्य साजिशकर्ता है, जबकि सुमित्रा ने अंजलिका की मां बनकर गूंगी–बहरी होने का नाटक किया था ताकि पीड़ित पक्ष को भावुक किया जा सके। पुलिस के अनुसार लालती का पुराना आपराधिक इतिहास भी है। गिरोह के फरार सदस्य जितेन्द्र की तलाश की जा रही है। आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है। महाराजगंज के एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शादी के नाम पर ठगी करने वाली लुटेरी दुल्हन को गिरोह की चार महिला सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से ठगी के रुपये और जेवर बरामद हुए हैं। फरार एक अन्य आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया

संवाददाता–गोंडा। जिले की छपिया पुलिस ने आज रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बस्ती निवासी नरेंद्र बहादुर सिंह और धनंजय, तथा गोंडा निवासी मंगरु चौहान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी गोंडा और आसपास के जिलों से मोटरसाइकिलें चोरी कर विशाल चौधरी को बेचते थे। प्रत्येक मोटरसाइकिल की बिक्री 4 हजार रुपये में की जाती थी। छपिया पुलिस ने चार सुपर स्प्लेंडर और एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को गोंडा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने मेंहनिया, अयोध्या और बभनान क्षेत्र से मोटरसाइकिलें चोरी की थीं।

आरोपियों ने खुलासा किया कि वे एक संगठित गिरोह बनाकर काम करते थे। वे बाजार, स्टेशन और सुनसान जगहों पर खड़ी मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे और मास्टर चाबी का उपयोग कर उन्हें चुराते थे। गिरोह में नरेंद्र बहादुर सिंह उर्फ छोटू, मंगरु चौहान, धनंजय, अवनीश गुप्ता और विशाल चौधरी शामिल हैं। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बेचकर मिले पैसों का इस्तेमाल वे अपने शौक पूरे करने के लिए करते थे। इस गिरोह के दो सदस्य, अवनीश गुप्ता और विशाल चौधरी, अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गोंडा के अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि ये लोग गोंडा और आसपास के जिलों में लगातार मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें सक्रिय हैं।

कांग्रेस कमेटी ने संगठन मजबूत करने पर जोर दिया

संवाददाता–देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक रविवार को टाउन हॉल स्थित कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त और प्रभावी बनाना था। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में होती है। उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक के न्याय पंचायत, मंडल और बूथ स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने का स्पष्ट निर्देश दिया। मल्ल ने कहा कि निष्क्रिय पदाधिकारियों की पहचान कर सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। इससे संगठन की कार्यक्षमता और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनसेवा, समर्पण और संघर्ष पर आधारित है, जिसे जमीनी स्तर तक मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। जिलाध्यक्ष ने संगठन को अधिक अनुशासित, सक्रिय और जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके लिए गांव–गांव में बैठकें आयोजित करने, नए युवाओं और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने, तथा सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें और पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाएं।

शॉर्ट सर्किट से लग्जरी बस जलकर खाक, चालक ने कूद कर बचाई जान

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के तरयासुजान थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात नेशनल हाईवे–28 पर एक लग्जरी बस में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। यह घटना रात करीब 2 बजे सलेमगढ़ टोल प्लाजा के पास मारुति शोरूम से कुछ दूरी पश्चिम में हुई। यह बस राजस्थान के जयपुर से संचालित श्अभी ट्रेवल्सश की थी और पश्चिम बंगाल से एक रिजर्व पार्टी को लाने जा रही थी। बस जैसे ही यूपी–बिहार सीमा के पास बहादुरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में पहुंची, उसमें से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं। चालक रमेश (निवासी झुंझुनूं) ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। बस में उस समय केवल चालक रमेश और बस मालिक मान सिंह (निवासी जयपुर) ही सवार थे। दोनों समय रहते बस से बाहर निकल गए और अपनी जान बचा ली। कुछ ही देर में पूरी बस आग की चपेट में आ गई। बस मालिक मान सिंह ने बताया कि डीजल की कमी के कारण बस में दो ड्रमों में अतिरिक्त डीजल भी रखा गया था। राहत की बात यह रही कि आग लगने के बावजूद न तो डीजल टैंक फटा और न ही अतिरिक्त डीजल वाले ड्रमों में विस्फोट हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही तरयासुजान थाना प्रभारी रामसहाय चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग को भी सूचित किया गया, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जल चुकी थी। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो सबसे बड़ी राहत की बात रही। फिलहाल बस मालिक की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। हालांकि, कुछ स्थानीय लोग इस घटना को संदिग्ध मान रहे हैं।

डीजे उपकरण चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस ने डीजे उपकरण चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए महंगे उपकरण और एक ई–रिक्शा बरामद किया है। यह घटना 21 जनवरी 2026 को थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में हुई थी। ग्राम नहरबालागंज निवासी जाकिर हुसैन ने अपनी दुकान से डीजे लाइट और अन्य उपकरण चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने एक टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए थे। रविवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम कल्लाभट्ठा के पास दबिश दी। इस दौरान शेखावत उर्फ कन्नन शेख और छोटू कश्यप सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन एम्पलीफायर, दो मिक्सर मशीन, दो एलईडी पार डीजे लाइट और एक बिना कागजात का ई–रिक्शा बरामद किया है। बताया गया है कि आरोपी चोरी के सामान को ई–रिक्शा में रखकर बेचने की फिराक में थे। यह पूरी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई।

दूध टैंकर ने परिवार को रौंदा: पति–पत्नी और बच्चे की मौत, शादी में शामिल होने जा रहा था परिवार

संवाददाता–गोंडा। जिले में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हादसा नवाबगंज थाना क्षेत्र के कनकपुर के पास हुई। मृतकों में पति, पत्नी और उनका बेटा शामिल हैं। बस्ती जिले के गंगापुर कलवारी निवासी मानसिंह (40), उनकी पत्नी उर्मिला (38) और बेटा लव कुश (12) बहराइच जा रहे थे। वे बहराइच जिले के ग्यारहसौ रेती में अपने साले की बेटी के शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। कनकपुर के पास गोंडा की तरफ से अयोध्या जा रहे एक दूध टैंकर ने उनकी बाइक को रौंद दिया। इस हादसे में तीनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए।

दुर्घटनास्थल पर ही उर्मिला और लव कुश की मौत हो गई थी। मानसिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार और गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक दंपति के परिवार में बड़ा बेटा राजकुमार (18), पुत्री आंचल (20) और रुनझुन (16) हैं, जो अभी पढ़ाई कर रहे हैं। माता–पिता और छोटे भाई की एक साथ मौत से बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार परिवार खुशी–खुशी शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था, लेकिन अचानक हुए हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मान सिंह खेती–किसानी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनकी मौत के बाद परिवार पर आर्थिक और मानसिक संकट गहरा गया है। घटना के बाद गांव गंगापुर समेत आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

घटना की सूचना मिलते ही नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मानसिंह, उर्मिला और लव कुश के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नवाबगंज थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि टैंकर चालक फरार हो गया है। पुलिस ने दूध से भरे टैंकर को जब्त कर नवाबगंज थाने पहुंचाया है और मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय ग्राम बभरौली वि.खं. विक्रमजोत, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बभरौली** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **बभरौली** के निविदा बाक्स में दिनांक 11–05–2026 तक अपरान्ह 01:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04–05–2026 से दिनांक 09–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **बभरौली** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **बभरौली** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बभरौली** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(कान्ती देवी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**बभरौली**

(आशीष श्रीवास्तव)
सचिव
ग्राम पंचायत–**बभरौली**

कार्यालय ग्राम अमोढ़ा वि.खं. विक्रमजोत, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **अमोढ़ा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **अमोढ़ा** के निविदा बाक्स में दिनांक 12–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04–05–2026 से दिनांक 11–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **अमोढ़ा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **अमोढ़ा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **अमोढ़ा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(रीना देवी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**अमोढ़ा**

(आशीष श्रीवास्तव)
सचिव
ग्राम पंचायत–**अमोढ़ा**

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में निकली जनाक्रोश रैली

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर में रविवार को महिलाओं ने श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश का विरोध करने वाले विपक्षी दलों के खिलाफ जनाक्रोश रैली निकाली। इस रैली का नेतृत्व भाजपा विधायक सुभाष त्रिपाठी ने किया। रैली के पूर्व ब्लॉक सभागार में श्नारी शक्ति वंदन कार्यक्रमश आयोजित किया गया, जिसमें विधायक सुभाष त्रिपाठी ने संबोधित किया। विधायक त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा आधी आबादी को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, जैसे जनधन खाते और निशुल्क आवास, जिनमें महिलाओं को परिवार के मुखिया के रूप में दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, चिकित्सा और अन्य विभागों में महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। सरकार बालिका शिक्षा और महिलाओं के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में अधिक बजट दे रही है। विधायक ने आरोप लगाया कि महिलाओं का आगे बढ़ना विपक्ष को रास नहीं आ रहा है।

आम आदमी पार्टी ने स्मार्ट मीटर का विरोध किया, प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–देवरिया। आम आदमी पार्टी (आप) की जिला इकाई ने रविवार को स्मार्ट मीटर के विरोध में एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष हरी नारायण चौहान के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के मुख्य कार्यालय के सामने स्मार्ट मीटर की प्रतिकात्मक प्रतियां जलाईं। उन्होंने एसडीओ अमित प्रताप हिंदू को राज्यपाल के नाम संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता और किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष हरी नारायण चौहान ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि जहां पहले बिजली बिल लगभग 1500 रुपये आता था, वहीं अब वही बिल बढ़कर 6000 से 7000 रुपये तक पहुंच रहा है। चौहान ने मांग की कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तत्काल बंद किया जाए और बिजली विभाग पहले अपनी व्यवस्था को स्मार्ट बनाए। उन्होंने बिजली कटौती बंद करने और खराब तारों को दुरुस्त कराने की भी मांग की। जिला प्रभारी नुएल होदा ने कहा कि सरकार को उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाने चाहिए और मीटरों की कार्यप्रणाली व बिलिंग प्रणाली की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

महा सचिव मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आम आदमी पार्टी हमेशा जनता के हितों के लिए काम करती है और शिक्षा, स्वास्थ्य व बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। ज्ञापन में पार्टी ने उल्लेख किया कि प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर पारदर्शिता और सुविधा देने के बजाय जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। प्रीपेड मीटर व्यवस्था, गलत रीडिंग, अत्यधिक बिलिंग और बिजली आपूर्ति में बाधा से उपभोक्ता परेशान हैं।

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि किसानों के नलकूपों पर लगाए जा रहे 4जी सिम आधारित स्मार्ट मीटरों से ग्रामीण क्षेत्रों में भारी समस्या उत्पन्न हो रही है। इस कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार पर भी चर्चा हुई और पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनाव में मजबूती से लड़ने का संकल्प लिया। प्रदर्शन में रविंद्र चौहान, सुरेश कुमार, रामप्रसाद तिवारी, मनोज श्रीवास्तव, बंधन यादव, रविंद्र चौबे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसून से पहले डीएम ने किया महाव नाले का औचक निरीक्षण

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम बरगदवा स्थित महाव नाले का जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मानसून से पहले निरीक्षण कर जल निकासी और बाढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भारत–नेपाल सीमा से शुरू होकर लगभग 20 किलोमीटर की लंबाई वाले इस महत्वपूर्ण नाले की स्थिति को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नाले में जमा सिल्ट को तत्काल साफ करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात के मौसम में पानी का बहाव निर्बाध रूप से बना रहे और आस–पास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके साथ ही उन्होंने महाव नाले के तटबंधों की संवेदनशीलता को देखते हुए उनकी मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य समय रहते पूरा करने को कहा। कहा कि सिल्ट की सफाई और तटबंधों की मजबूती में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को बाढ़ के खतरे से बचाया जा सके। इस मौके पर नौतनवां उपजिलाधिकारी नवीन कुमार, नायब तहसीलदार सौरभ कुमार श्रीवास्तव, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता राजीव कपिल, पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड अधिकारी एडीसन सिंह, पीडब्ल्यूडी जेई राहुल प्रसाद जिज्ञासु आदि लोग मौजूद रहे।

मालगाड़ी पर हाईटेंशन लाइन छूने से युवक झुलसा, गंभीर हालत में गोरखपुर रेफर

संवाददाता–देवरिया। जिले के गौरीबाजार रेलवे स्टेशन पर एक युवक मालगाड़ी पर चढ़कर ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर किया गया है। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3 बजे प्लेटफॉर्म नंबर दो के पास लाइन नंबर दो पर खड़ी एक मालगाड़ी पर हुई। जानकारी के अनुसार, लगभग 45 वर्षीय एक व्यक्ति अचानक मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया। मालगाड़ी के ऊपर से 25 हजार वोल्ट की ओएचई हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी, जिसे युवक ने छू लिया। करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया। घटना होते ही स्टेशन परिसर में अफरा–तफरी मच गई। यात्रियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक बिना किसी स्पष्ट कारण के मालगाड़ी पर चढ़ा था। करंट लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से युवक को नीचे उतारा गया और एंबुलेंस से तत्काल गौरीबाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान युवक मौका पाकर अस्पताल से फरार हो गया। स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन तत्काल कोई सुराग नहीं मिला। बाद में आरपीएफ ने काफी प्रयासों के बाद युवक को गौरीबाजार कस्बे से बरामद किया और इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

देवरिया मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया। आरपीएफ इंस्पेक्टर आस मोहम्मद ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि युवक मालगाड़ी पर क्यों चढ़ा था।

गोरखपुर से 81 दिनों की गो सेवा यात्रा शुरूः अविमुक्तेश्वरानंद बोले– योगी गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करें, उनके कसीदे पढ़ने लगेंगे

संवाददाता–गोरखपुर। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हमें गायों को सताने वाले असुरों को मारना है। इस कार्य के लिए हमारा सबसे बड़े हथियार के रूप में हमारी उंगली काम आने वाली है। उनका कहना है कि हमें गाय को राज्य माता घोषित करना है। इसके लिए आपको सीएम बनना पड़ेगा। इस मामले में सीएम कमजोर हैं। शंकराचार्य रविवार को रामगढ़झील के किनारे सहारा स्टेट स्थित भारत माता की प्रतिमा के सामने पत्रकारों व मौजूद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ये सीएम केंद्र की नहीं सुनते हैं, अपने मन की करते हैं, लेकिन जहां तक हम समझते हैं ऐसा नहीं है। उनके अंदर यदि साहस होता तो गुरुगोक्षनाथ की ओर देख कर केंद्र की परवाह न करते हुए गो माता को राज्य माता घोषित कर देते। केंद्रसह के नेता विरोध भी करते तो यह कहकर खड़े हो जाते कि खबरदार, गाय हमारी माता है, इसके लिए हम किसी की भी नहीं सुनेंगे। उन्होंने कहा कि यहां के सीएम यदि ये तेवर दिखाते तो शायद हम आज बैठकर उनके कसीदे पढ़ रहे होते, लेकिन उनमें ये माद्दा नहीं है। वो इस बात से डरते हैं कि मुसलमान वोट नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि गाय को राज्य माता घोषित करने के लिये आपको सीएम बनना पड़ेगा और राष्ट्रमाता बनाने के लिए पीएम। लेकिन 'मम माता' कहने के लिए आपको कुछ बनने की जरूरत नहीं। शंकराचार्य ने शंखनाद के बीच सभी को 'गाय हमारी माता' का संकल्प दिलाया। सभी ने एक स्वर में शंकराचार्य के साथ दुहराया कि 'मैं घोषणा करता हूं कि गाय हमारी माता है। साथ ही खबरदार किया कि कोई भी इसके साथ बुरा करेगा तो उसे आज से अपराधी समझा जएगा। उन्होंने कहा कि आज से घोषित रूप से गाय आप सभी की माता हुई। बूचड़खाना बंद हो, इसके लिए दाहिने हाथ की उंगली से उपयोग करते हुए उसी पार्टी को वोट करें, जो गौरक्षा के लिए संकल्पित हो। इस दौरान उन्होंने कहा कि इसके लिए किसी को आग नहीं लगाना और न ही किसी को डुबाना है, हम इसके सख्त खिलाफ हैं। आप वोट का इस्तेमाल करें और उंगली की ताकत दिखाइए और गौ माता की रक्षा करिए।

शंकराचार्य ने असम के चुनाव की चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वहां बीजेपी का शासन है। वहां के चुनाव में भाजपा के सीएम हेमंता विश्वशर्मा से किसी पत्रकार ने पूछा कि क्या आपको गो हत्यारों का वोट चाहिए तो इसपर सीएम ने जवाब दिया कि क्यों नहीं चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि ऐसे यदि आप भाजपा को वोट करते हो तो 'गो हत्यारे' और 'गो की पूजा करने वालों' का वोट एक स्थान में जाएगा क्योंकि भाजपा के सीएम इस बात को बोल चुके हैं। आगे कहा कि हम लोगों ने गुजरात में मॉडल लाया था, जहां एक भी मुसलमान प्रत्याशी नहीं था। उस समय हम लोगों ने यह अर्थ निकाला कि ये पूरी तरह हमारी पार्टी है, लेकिन अब वो भाजपा बदल चुकी है। अब वो कह रही है कि इसे गो हत्यारे का भी वोट चाहिए।

शंकराचार्य ने कहा कि अब गो हत्यारे का वोट भी इनके ईवीएम में आएगा और वहीं आपका भी वोट जाएगा। उन्होंने जनसमूह से आह्वान किया और कहा कि अब खून और दूध एक साथ मिलाए जाएंगे। उन्होंने पूछा कि क्या आप खून और दूध मिलाकर पीना चाहोगे, जिसपर जनसमूह की ओर से एक स्वर में नहीं की गूंज उठी। उन्होंने कहा कि भाजपा को अब कोई दिक्कत नहीं है। उसकी तिजोरी में पहले से गो भक्तों द्वारा चंदा और बूचड़खानों का दिया हुआ चंदा रखा गया है। ये सर्वविदित है अब उनके हत्यारों के चंदे की भी जरूरत पड़ गई है। शंकराचार्य ने कहा कि हिन्दू कौम ने कभी डरना नहीं सीखा है। हमारे सामने बड़े–बड़े आए और डराने की कोशिश की। हमने सबको परास्त कर दिया तो इन जैसों को परास्त करने हमें थोड़ी भी देर नहीं लगेगी। बस समस्या ये है कि स्पष्टता नहीं हो पा रही कि कौन हमारा है और कौन पराया। उन्होंने यात्रा के दौरान सरकार द्वारा हिन्दुओं के खिलाफ बनाए गए 37 से अधिक कानूनों को बताने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि एक–एक कर सभी पर विस्तारपूर्वक बताएंगे। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक हिन्दू विरोधी कानून बनते चले जा रहे हैं। इसके पहले भी कई पार्टियां हमारे खिलाफ रहीं, लेकिन उनके राज में कभी भगवान की मूर्तियों में फंदा डाल कर जेसीबी से नहीं खींचा गया। भाजपा की सरकार में एक के बाद एक मंदिर टूटते देखा गया। ऐसे–ऐसे कानून बना दिए गए, जो हिन्दू धर्म और भारतीय संस्कृति से मेल नहीं खाते। उनका कहना है कि आज भाजपा आम्बेडकर का नाम ले रही है। भाजपा आम्बेडकरवादी बन रही है, लेकिन जिस आम्बेडकर ने समलैंगिकता के लिए सात साल की कैद का प्रस्ताव रखा था, इनके द्वारा उसे हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि ये आम्बेडकर भक्त होते तो इसे पलटते नहीं। उन्होंने कहा कि गो माता की रक्षा के जो वोट देगा वही हमारा देवता है। उन्होंने कहा कि 78 साल से आप बिजली, पानी, जाति, धर्म आदि के लिए वोट कर रहे हैं, अब गो रक्षा के लिए वोट करें। उन्होंने बताया कि वह गो रक्षा के लिए एक कार्यक्रम का निर्माण किए हैं, जो "तैंतीस कोटि गौ माता, तीन लाख श्रीरामाधाम। कुछ हजार जो बूचड़खाने, सुधरे तो हो गौ का काम" दोहे के रूप में है। उन्होंने कहा कि हमने तीन लाख रामाधाम की परिकल्पना की है। इसके लिए आप सभी एक वोट और एक नोट की दें। उन्होंने कहा कि जब ये संकल्प पूरा हो जाएगा तो हम बूचड़खानों पर धावा बोलेंगे।

उन्होंने कहा कि आपका एक वोट, धर्म के कोटि अधर्मियों पर चोट साबित होगा। उन्होंने कहा कि आगे धर्मराज्य की स्थपना होगी, जिसमें हर किसी को न्याय मिलेगा। इसकी शुरुआत गो रक्षा से करनी है। उन्होंने कहा कि हम हिन्दू सेकुलर हो गए, मुसलमान, इसाई, बौद्ध सभी धर्म का पालन करता है, लेकिन हिन्दू सेकुलर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जब हम इस देश में ज्यादा हैं तो हमारी चलनी चाहिए। कम संख्याबल वालों को मन मसोस के रहना पड़ेगा। अंत में उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा से गविष्टि यात्रा का शुभारंभ करेंगे। 81 दिनों तक गायों की रक्षा के लिए 81 युद्धों की चर्चा का उद्देश्य लेकर ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में आना है। उनका कहना है कि शहर को दाहिने रखते हुए भ्रमण किया जाएगा। इस माध्यम से उत्तर प्रदेश के सभी तीर्थों की परिक्रमा पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह गो रक्षा व धार्मिक भावना की यात्रा है। हमारा किसी पार्टी से कोई पींग नहीं है।

कार ने पीछे से बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र में मानीराम रेलवे स्टेशन के पास फोरलेन पर तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार बिजली विभाग में ड्यूटी करने जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और कुछ ही देर में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही कार और चालक को भी कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पीपीगंज थाना क्षेत्र के रामपुर कैथवलिया निवासी विकास कुमार पुत्र गजाधर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 2 मई 2026 की रात करीब 11 बजे उसका छोटा भाई आकाश कुमार राजेंद्र नगर स्थित बिजली पावर स्टेशन ड्यूटी के लिए जा रहा था। वह मानीराम अंडरपास से आगे बढ़ा ही था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में आकाश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

संदिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

संवाददाता–गोरखपुर। थाना बेलीपार क्षेत्र के महावीर छपरा स्थित जंगल रानी सुहास कुंवरी टोला निवासी एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

मृतक के परिजनों ने घटना को दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिव कुमार वर्मा ने थाना बेलीपार में दी तहरीर में बताया कि उनके पिता बेचन ठठेरा (51) साउंड व सट्टे के कार्य से जुड़े थे। वह ग्राम जोत बगही में ध्रुव कुमार निषाद के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में गए थे। आरोप है कि 2 मई 2026 की शाम करीब 4 बजे वह कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। बताया गया कि रात करीब 9रू30 बजे निषाद परिवार के एक सदस्य ने फोन कर सूचना दी कि उनके पिता छत से गिर गए हैं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई है। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल गोरखपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रार्थी का आरोप है कि घटना की सूचना सीधे मौके से न देकर अस्पताल से दी गई, जिससे संदेह उत्पन्न होता है। उन्होंने आशंका जताई है कि उनके पिता के सिर पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया, जिससे उनकी मृत्यु हुई है। पीड़ित ने निषाद परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में बेलीपार थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पानी की टंकी पर फंसे किशोरों को हेलीकॉप्टर से किया गया रेस्क्यू, पंद्रह घंटे बाद उतारे गए सुरक्षित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर के कांशीराम आवास की पानी के टंकी की सीढ़ी शनिवार को टूट कर गिरने से उस पर चढ़े पांच बच्चों में तीन नीचे गिर गए थे। एक की मौत हो चुकी है दो मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। दो बच्चे टंकी के ऊपर ही फंसे रह गए थे। गोरखपुर से आई एसडीआरएफ रास्ता नहीं बन पाने से रेस्क्यू नहीं कर पाई तो रविवार सुबह पांच बजे प्रशासन की पहल पर हैलीकॉप्टर आया और कुछ देर बाद एक,एक कर दोनों कर किशोरों को सुरक्षित उतारा। पानी की टंकी की सीढ़ी दो बजे दोपहर में टूटी थी। इस बीच उसपर दो किशोर फंसे रहे। शाम छह बजे एसआई कामरान के नेतृत्व में गोरखपुर से आई बीस सदस्यीय टीम ने वाहन को अंदर ले जाने के लिए पहले रास्ता बनाने की कोशिश की लेकिन सुरक्षित सड़क नहीं बन सकी थी। इस बीच बूंदाबांदी भी शुरू हो गई थी। रविवार सुबह पांच बजे हेलिकॉप्टर पहुंचा तो एक–एक कर दोनों किशोरों को सुरक्षित उतार लिया। 15 घंटे से अधिक टंकी पर फंसे बच्चों के परिजन इस बीच उनके लिए परेशान थे। टंकी पर फंसे किशोर पवन पुत्र मिथलेश व कल्लू पुत्र जहीरुद्दीन का हौसला रात भर लोग बढ़ाते रहे। सकुशल उतरने पर परिजनों के साथ अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान डीएम शिवसरणप्पा जी एन और तमाम अधिकारी मौजूद रहे पानी की टंकी पर पंद्रह घंटे से अधिक समय से फंसे दोनों किशोरों के पास प्रशासन ने ड्रोन के रस्सी पहुंचाई। बच्चों ने जब रस्सी पकड़ ली तो नीचे से उसमें बांध कर पानी की बोतल व बिस्कुट भेजा गया। रात में भोजन भी भेजा गया। कांशीराम आवास पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने टंकी के ऊपर फंसे दो किशोरों को उतारने के लिए प्रशासन की ओर से की जा रही व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित उतारने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा। दुर्घटना में मारे गए किशोर के परिजनों को ढांढस बंधाया और घायल किशोरों का कुशल क्षेम जाना।

अयोध्या में अब नियमित होने लगी रामकोट की परिक्रमा, साधु–संतों के साथ ही जुटने लगे श्रद्धालु

संवाददाता–अयोध्या। थोड़ा–थोड़ा ही सही, समन्वित प्रयास निर्णायक सफलता प्रदान करता है। इसी की परिणति अयोध्याधाम की रामकोट परिक्रमा है। इसे नियमित कराने और इससे राम मंदिर में रामलला का दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को भी जोड़ने का प्रयास लगभग सफल हो गया है। अब यह परिक्रमा बीते एक वर्ष से न केवल नियमित रूप से भोर में होने लगी है, अपितु इसमें रामनगरी के प्रमुख मंदिरों के साधु–संतों के साथ ही रामलला के नित्य दर्शनार्थी व अन्य श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में जुटने लगे हैं। रामकोट की यह परिक्रमा प्रतिदिन भोर में साढ़े पांच बजे प्रारंभ होती है और एक हजार से अधिक दर्शनार्थी प्रदक्षिणा करते हैं। रामकोट क्षेत्र की परिक्रमा वैसे तो अनादि काल से प्रचलित रही, परंतु यह केवल नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर ही संपन्न होती थी, जिसमें बड़ी संख्या में संत–धर्माचार्य भी जुटते थे। अन्य दिनों में यह केवल रस्मअदायगी भर होती थी। राम मंदिर निर्माण होने के उपरांत जब सुदूर क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आने लगे, तो उन्हें इस परिक्रमा से जोड़ने और इसे चित्रकूट के कामदगिरि परिक्रमा की भांति नियमित कराने के लिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने प्रयास प्रारंभ किया। उन्होंने पहले

हनुमानगढ़ी के प्रधान अर्चक रमेश दास के साथ विभिन्न मंदिरों के साधु–संतों से मुलाकात कर अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया, फिर रामजन्मभूमि पथ के दर्शन मार्ग पर ही श्रद्धालुओं में प्रचार–प्रसार कराया। इसके बाद गत वर्ष 21 अगस्त की सुबह से इसे श्रीरामजन्मभूमि नित्य समवेत परिक्रमा के नाम से नियमित कराया। जब परिक्रमा में थोड़े श्रद्धालुओं की ही भागीदारी दिखी तो पूरे परिक्रमा मार्ग पर जगह–जगह साइनेज बोर्ड लगवाए। लगभग साढ़े तीन किलोमीटर के रामकोट परिक्रमा क्षेत्र में ही पूरा रामजन्मभूमि परिसर (राम मंदिर सहित), हनुमानगढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल, मतगजेंद्र मंदिर सहित अन्य मंदिर समाहित हैं।

इस कारण पूरे रामकोट की एक बार परिक्रमा कर लेने से एक साथ कई मंदिरों की प्रदक्षिणा हो जाती है। यह परिक्रमा प्रतिदिन भोर में रामजन्मभूमि पथ (जगद्गुरु रामानंदाचार्य प्रवेश द्वार) से शुरू होकर क्षीरेश्वरनाथ मंदिर के सामने से टेढ़ी बाजार, अशर्फी भवन, डाकघर चौराहा, दंतधावनकुंड चौराहा होते हुए पुनरू उसी स्थल पर समाप्त होती है। प्रतिदिन साधु–संतों को लेकर परिक्रमा में सम्मिलित होने वाले पुजारी रमेश दास कहते हैं, शास्त्रों के अनुसार परिक्रमा का पौराणिक व धार्मिक महत्व है। जो श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं, उनकी एक साथ कई मंदिरों की परिक्रमा पूरी हो जाती है।

रामकोट की परिक्रमा को नियमित कराने के लिए कुछ वर्ष पहले पूर्व सांसद व बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार ने भी प्रयास किया था। उन्होंने साधु–संतों को भी इससे जोड़ा था, परंतु उनका प्रयास सार्थक नहीं हो पाया था। कुछ दिनों तक लोग जुटे, परंतु यह स्थिर नहीं रह सका।

पोस्टमार्टम के बाद पहुंचे चारों बच्चों के शव, रो पड़ा पूरा गांव, एक साथ हुआ अंतिम संस्कार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर के अकबरपुर के मोहल्ला मीरानपुर मुरादाबाद में चार बच्चों की सिर कूचकर हत्या किए जाने बाद रविवार सुबह सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। दोपहर करीब एक बजे कसड़ा गांव जब चारों बच्चों के शव घर पहुंचे तो पूरा गांव उमड़ पड़ा। गांव के सभी लोग बच्चों की एक झलक देखने के लिए बेताब थे। वहीं, सभी मां को कोस रहे थे। महरुआ का कसड़ा निवासी नियाज (37) सऊदी अरब में नौकरी करता है। उसने चार साल पहले मीरानपुर, मुरादाबाद में पत्नी गासिया खातून (34) के नाम पर मकान बनवाया था। यहां गासिया अपने बड़े बेटे शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान (8) उर्फ सादिया के साथ रहती थी। वहीं, मीरानपुर मुरादाबाद में चार मासूम बच्चों की हत्या मामले में रविवार को महरुआ के कसड़ा गांव का माहौल बेहद भारी नजर आया। दोपहर करीब एक बजे जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद चारों मासूम बच्चों के शव गांव पहुंचे, पूरे इलाके में चीख–पुकार गूंज उठी। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया और गांव का माहौल शोक में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। हर कोई बच्चों के अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर जमा हो गया। लोगों की भीड़ देर तक बनी रही और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा रहा। जोहर की नमाज के बाद चारों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार जनाजे उठने का दृश्य हर किसी को अंदर तक झकझोर गया। गांव के कब्रिस्तान में सऊद (12) और उमर (10) को एक साथ दफन किया गया, जबकि शफीक (14) और बयान (8) को पास में ही अलग–अलग सुपुर्द–ए–खाक किया गया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव व कई थानों की पुलिस उपस्थित रही। बता दें कि शनिवार को मीरानपुर मुरादाबाद में एक घर के अंदर चारों बच्चों के शव खून से लथपथ मिले थे। शुरुआती जांच में ईंट और हथौड़े से हमला कर हत्या की बात सामने आई थी। घर अंदर से बंद मिला था और मां गासिया खातून के लापता होने से उस पर शक गहराया था। आशंका जताई गई थी कि बच्चों को पहले नशीला पदार्थ दिया गया और फिर वारदात को अंजाम दिया गया। चार मासूमों की एक साथ हत्या की यह घटना पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। गांव के साथ–साथ आसपास के इलाकों से भी लोग कसड़ा पहुंचे। हर कोई इस घटना को लेकर स्तब्ध है और जल्द खुलासे की उम्मीद कर रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। मां की तलाश जारी है और उसी पर शक केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

नाना ने कहा कि उनकी बेटी गासिया खातून इस तरह का कृत्य नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि बेटी के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और किसी रंजिश या दुश्मनी के चलते यह मामला बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार में दांपत्य जीवन को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं था। मृत बच्चों के बड़े पापा सलीम ने कहा कि गासिया खातून अकेले इस घटना को अंजाम नहीं दे सकती। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे घटनाक्रम में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शुक्रवार को नियाज की पत्नी और बच्चों से फोन पर बातचीत भी हुई थी, जिसमें किसी तरह की अनहोनी के संकेत नहीं थे। ऐसे में अचानक इस तरह की घटना होना कई सवाल खड़े करता है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– /2025
धारा 207 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

विनोद कुमार आदि
बनाम
रामगोपाल आदि

1. रामगोपाल पुत्र रामानन्द निवासी बढ़नी बाजार मुड़िला खास तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
–उत्तरवादी प्रथम वर्ग
2. दौलत राम पुत्र जयदयाल मृतक 2/1 उमेश गोपाल 2/2 राजेश गोपाल 2/3 संजय गोपाल 2/4 विकास गोपाल 2/5 उत्सव गोपाल पुत्रगण दौलतराम 3. बच्चूलाल पुत्र रामानन्द 4. महेश कुमार 5. जितेन्द्र कुमार पुत्रगण मानेलाल 6. प्रेम कुमार पुत्र घनश्याम 7. श्रीमती ललिता देवी पत्नी भोलेनाथ 8. श्रीमती मन्जू गुप्ता पत्नी शिवरतन 9. संगम गुप्ता पुत्र अयोध्या निवासीगण बढ़नी बाजार मुड़िला खास तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 10. श्रीमती मदिना खातून पत्नी मोहम्मद इस्लाम निवासी भावपुर उर्फ गुलरी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 11. रामबेलास पुत्र राम प्रसाद निवासी धनौरा बजुर्ग तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 12. प्रदीप कुमार पुत्र मोहनलाल निवासी वार्ड नं–4 नि0 कालोनी नगर पंचायत बढ़नी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 13. श्रीमती महरून्निशा पत्नी अनवारूल्लाह निवासी जिगनिहवा उर्फ धनौरी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 14. नगर पंचायत बढ़नी सिद्धार्थनगर जरिये अधिशाषी अधिकारी बढ़नी सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 07–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 29 माह 04 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0– /2024
धारा 210 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

रामनाथ आदि
बनाम
अरूण सिंह आदि

1. अरूण सिंह 2. अनिल सिंह पुत्रगण स्व0 प्रहलाद सिंह साकिनान मौजा पिपरा तप्पा फिदाईपुर परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 06–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 29 माह 04 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

वाटर बॉडी पर बने टूलेन ब्रिज समेत 613 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) को और रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार 5 मई को तारामंडल क्षेत्र में वाटर बॉडी पर बने टूलेन ब्रिज समेत 613 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इस कार्यक्रम में वह गोरखपुर विकास प्राधिकरण की 71 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। करीब 49 करोड़ रुपये के लोकार्पण के 26 कार्यों में महानगर के छठवें कल्याण मंडपम, तारामंडल क्षेत्र में वाटर बॉडी पर टूलेन ब्रिज के निर्माण के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, नाली, प्रकाश और पार्क सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। जबकि करीब 564 करोड़ रुपये के शिलान्यास की 45 परियोजनाओं में बुनियादी सुविधाओं के कार्यों के साथ ही एकीकृत मंडलीय कार्यालय का निर्माण, लच्छीपुर में ग्रुप हाउसिंग अपार्टमेंट कुश्मी एवेन्यू का निर्माण कार्य प्रमुख रूप से शामिल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार (5 मई) को गोरखपुर शहर के छठवें कल्याण मंडपम (कन्वेंशन सेंटर) का लोकार्पण करेंगे। महानगर के वार्ड नंबर 10 माधव नगर के जंगल बेनी माधव कॉलोनी में बने इस कल्याण मंडपम के निर्माण पर 5 करोड़ 3 लाख रुपये की लागत आई है। इसका निर्माण गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा कराया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विधायक निधि का भी उपयोग किया गया है। अल्प और मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक कार्यक्रमों को उनके बजट के अनुरूप यादगार व शानदार बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ढाई साल पहले कल्याण मंडपम का विजन दिया था। गोरखपुर शहर में अब तक मुख्यमंत्री के हाथों पांच कल्याण मंडपम का लोकार्पण हो चुका है। इसी कड़ी में नागरिकों को एक नए कल्याण मंडपम की सौगात मिलने जा रही है। कल्याण मंडपम में जरूरतमंद परिवारों को मांगलिक कार्यक्रमों के लिए मैरिज हाउस जैसी सुविधाएं मिलेंगी। कल्याण मंडपम बनाने का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को विवाह, तिलक, मुंडन और अन्य सामाजिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

जंगल बेनी माधव मोहल्ले में गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने 3115 वर्गमीटर क्षेत्रफल में कल्याण मंडपम (कन्वेंशन सेंटर) का निर्माण कराया है। जंगल बेनी माधव के कन्वेंशन सेंटर का निर्माण 17 मार्च 2024 से प्रारंभ हुआ था और 25 अप्रैल 2026 को यह बनकर तैयार हो गया। यह कल्याण मंडपम स्थानीय लोगों के सामाजिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। कल्याण मंडपम में विभिन्न कार्यक्रमों (विवाह, सामाजिक उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक उत्सव आदि) का आयोजन किया जा सकता है। कल्याण मंडपम में भूतल पर एक बड़े हाल के साथ किचन, स्टोर, चेंज रूम तथा महिलाओं एवं पुरुषों हेतु अलग–अलग शौचालय की व्यवस्था है। जबकि प्रथम तल पर डॉरमेट्री, अटैच्ड टॉयलेट व ड्रेसिंग रूम सहित छह कमरे बनाए गए हैं। गोरखपुर में खोराबार, सूरजकुंड, मानबेला, राप्तीनगर विस्तार और बिछिया में कल्याण मंडपम का लोकार्पण पहले ही हो चुका है जबकि बशारतपुर, नकहा नंबर दो, महादेव झारखंडी और सेमरा में भी कल्याण मंडपम बन रहे हैं।

कांग्रेस छोड़कर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सपा का थामा हाथ

संवाददाता–गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर रविवार को रमेश सोनकर उर्फ पप्पू ने अपने दर्जनों साथियों के साथ कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम मौजूद रहे। सपा की सदस्यता लेते हुए इन लोगों ने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी की नीतियों व सिद्धांतों को जन–जन तक पहुंचाकर संगठन को मजबूत बनाएंगें। उन्होंने कहा कि उनके समाज के लोग प्रदेश सरकार से प्रताड़ित व उपेक्षित हैं तथा अत्याचार सहन कर रहे हैं।जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाज सहित सभी वर्गों के मान–सम्मान की हर स्तर पर रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पार्टी सड़क से सदन तक सभी समाजों के लोगों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। इस अवसर पर जिला महासचिव रामनाथ यादव, अजय यादव, मैना भाई, भृगुनाथ निषाद, चंचला निषाद, सरिता सोनकर, अमित शर्मा उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com